

केंद्रीय विद्यालय संगठन, जम्मू संभाग

प्रथम पूर्व परिषदीय परीक्षा (2025-26)

कक्षा : बारहवीं

विषय : हिंदी (आधार) कोड सं.-(302)

KVS/RO(JR) PB-1/2025-26/S-2

निर्धारित समय : 3 घंटे

अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश:-

- निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिये :-
- यह प्रश्न पत्र तीन खंडों में विभाजित है।
- खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड 'ख' में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड 'ग' में पाठ्य पुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

प्रश्न संख्या	खंड – क (अपठित बोध)	अंक (18)
1.	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-	10
	<p>मानव जीवन का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी अनंत संभावनाओं में निहित है। प्रत्येक व्यक्ति के भीतर कुछ विशेष गुण, क्षमताएँ और रचनात्मक ऊर्जा छिपी होती है। यह क्षमताएँ उसे दूसरों से अलग बनाती हैं और उसके व्यक्तित्व को गहराई प्रदान करती हैं। किंतु अक्सर अवसरों की कमी, संसाधनों का अभाव और आत्मविश्वास की न्यूनता के कारण ये क्षमताएँ सामने नहीं आ पातीं। यही कारण है कि शिक्षा और समाज का दायित्व है कि वे व्यक्ति की आंतरिक योग्यताओं को पहचानकर उन्हें प्रोत्साहित करें और सकारात्मक दिशा प्रदान करें।</p> <p>आज के युग में सफलता का अर्थ प्रायः धन, पद और बाहरी उपलब्धियों से जोड़ा जाता है। लोग मानते हैं कि ऊँचा वेतन, बड़ा सम्मान और चमकदार जीवन ही प्रगति का प्रतीक है। परंतु यदि सफलता को केवल भौतिक सुख-सुविधाओं तक सीमित कर दिया जाए तो यह अधूरी होगी। वास्तविक सफलता वही है जो जीवन को संतुलित, नैतिक और सामाजिक दृष्टि से उपयोगी बनाए।</p> <p>हम यह भी देखते हैं कि अनेक लोग धन-संपत्ति पाकर भी असंतोष और बेचैनी से घिरे रहते हैं। यह स्पष्ट करता है कि आंतरिक शांति और संतोष के बिना बाहरी उपलब्धियाँ अर्थहीन हो जाती हैं। सच्ची सफलता वही है जिसमें मनुष्य अपनी योग्यता का सही उपयोग कर समाज में सकारात्मक योगदान दे।</p> <p>समाज का वास्तविक परिवर्तन केवल बड़े कार्यों से ही नहीं, बल्कि छोटे-छोटे प्रयासों से भी संभव है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता को पहचानकर सही दिशा में लगाए, तो वह समाज और राष्ट्र दोनों को उन्नति के मार्ग पर अग्रसर कर सकता है। इस प्रकार, सफलता का सच्चा मापदंड धन अथवा पद नहीं, बल्कि संतुलित जीवन, आत्म संतोष और समाज के लिए सार्थक योगदान है।</p>	

(क)	गद्यांश के अनुसार मानव जीवन का सबसे बड़ा सौंदर्य किसमें निहित है? (अ) भौतिक सुखों में (ब) उसकी संभावनाओं में (स) बाहरी उपलब्धियों में (द) उच्च पद में	1
(ख)	अनुच्छेद के अनुसार सफलता का वास्तविक अर्थ क्या है? (अ) केवल धन अर्जित करना (ब) उच्च पद प्राप्त करना (स) संतुलित, नैतिक और समाजोपयोगी जीवन (द) आडंबरपूर्ण जीवन	1
(ग)	निम्नलिखित कथन तथा कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए :- कथन (A): बाहरी उपलब्धियों से ही मनुष्य को पूर्ण संतोष मिलता है। कारण (R): आंतरिक शांति और संतोष के बिना बाहरी उपलब्धियाँ अर्थहीन हैं। (अ) A और R दोनों सही हैं, तथा R, A की सही व्याख्या करता है (ब) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता (स) A सही है, परंतु R गलत है (द) A गलत है, परंतु R सही है	1
(घ)	समाज के परिवर्तन का वास्तविक आधार क्या माना गया है?	1
(ङ)	शिक्षा और समाज की भूमिका गद्यांश के अनुसार क्या है?	2
(च)	बाहरी उपलब्धियाँ क्यों अधूरी मानी गई हैं?	2
(छ)	प्रत्येक व्यक्ति से समाज को क्या अपेक्षा है?	2
2.	दिए गए पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-	8
	क्षण भंगुर यह जीवन तरंग-सा, समय-सागर में डोलता है, जो विवेक-दीप जलाता है, वही तिमिर को छेद पाता है। आलस्य तम का जाल बुनता, पुरुषार्थ उसमें बंधन तोड़ता, निष्क्रिय जन पाषाण-सा जड़, कर्मठ ही भवितव्य गढ़ता। भाग्य नहीं स्वतंत्र सत्ता है, वह तो श्रम का प्रतिध्वनि-गान है, तपः पूत मनुष्यता का बल ही, जग में यशोगान बन जाता है। जो वर्तमान को आलोक्ति करे, उसका भविष्य उज्ज्वल होता, वही युगों-युगों तक स्मृतियों में, अमर कृतित्व रच देता॥	

(क)	निम्नलिखित में से कौन-सी पंक्ति कविता के संदेश को सही दर्शाती है? (अ) निष्क्रिय रहना जीवन को उज्ज्वल बनाता है (ब) वर्तमान का सदुपयोग ही भविष्य को उज्ज्वल बनाता है (स) भाग्य ही सफलता का एकमात्र आधार है (द) आलस्य और पुरुषार्थ दोनों बराबर महत्वपूर्ण हैं	1
(ख)	निष्क्रिय व्यक्ति की तुलना किससे की गई है? (अ) पाषाण से (ब) दीपक से (स) तरंग से (द) आलोक से	1
(ग)	निम्नलिखित कथन तथा कारण को पढ़कर उचित विकल्प का चयन कीजिए :- कथन : भाग्य को स्वतंत्र सत्ता नहीं माना गया है। कारण : क्योंकि भाग्य केवल पुरुषार्थ और श्रम का प्रतिफल है। (अ) A और R दोनों सत्य हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है। (ब) A और R दोनों सत्य हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता। (स) A सत्य है, परंतु R असत्य है। (द) A असत्य है, परंतु R सत्य है।	1
(घ)	पद्यांश के अनुसार अमर कृतित्व किसके द्वारा रचा जाता है?	1
(ङ)	आलस्य और पुरुषार्थ में क्या अंतर बताया गया है?	2
(च)	विद्यार्थी जीवन के लिए इस पद्यांश से क्या मुख्य शिक्षा मिलती है?	2
	खंड – ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)	अंक (22)
3.	निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :- <ul style="list-style-type: none"> कृत्रिम बुद्धिमत्ता: वरदान या चुनौती बिन छतरी बारिश में मेरे बचपन के दिन 	1x6 =6
4.	निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर लिखिए-	4x2 =8
(क)	बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर है?	2
(ख)	कहानी और नाटक में एक समानता व एक अंतर को स्पष्ट कीजिए।	2
(ग)	'इंटरनेट पत्रकारिता' की लोकप्रियता के कारण स्पष्ट कीजिए	2
(घ)	रेडियो नाटक में संवादों की भूमिका को स्पष्ट कीजिए	2
(ङ)	नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की तुलना खुले मैदानों से क्यों की गई है ?	2

5.	निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 80 शब्दों में उत्तर लिखिए-	2x4 =8
(क)	पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं ? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख करते हुए पूर्णकालिक पत्रकार और स्वतंत्र पत्रकार के अंतर को स्पष्ट कीजिए ।	4
(ख)	कहानी के नाट्य रूपांतरण में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान को स्पष्ट कीजिए ।	4
(ग)	टी.वी. खबरों के सात चरणों को स्पष्ट कीजिए ।	4
	खंड – ख (पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)	अंक (40)
6.	निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	5x1 =5
	रुद्ध कोष हैं, क्षुब्ध तोष अंगना –अंग से लिपटे भी आतंक अंक पर काँप रहे हैं धनी, वज्र-गर्जन से बादल ! त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं जीर्ण बाहु है शीर्ण शरीर, तुझे बुलाता कृषक अधीर, ऐ विप्लव के वीर ! चूस लिया है उसका सार हाड़-मात्र ही हैं आधार, ऐ जीवन के पारावार !	
(क)	इस काव्यांश में किसके डरने की बात हो रही है? (अ) निर्धनों की (ब) धनिकों की (स) कवियों की (द) वीरों की	1
(ख)	कविता के अनुसार बादल को कौन आमंत्रित करता है? (अ) कवि (ब) किसान (स) धनी (द) उपरोक्त सभी	1
(ग)	कथन और कारण को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए: कथन : काव्यांश में अत्यधिक शोषण के कारण किसानों की दयनीय स्थिति को चित्रित किया गया है। कारण : शोषण के कारण किसान का शरीर कृश हो गया है। (अ) कथन सही है, कारण गलत है (ब) कथन गलत है, कारण सही है (स) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, कारण, कथन की सही व्याख्या करता है । (द) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, कारण कथन की सही व्याख्या नहीं करता है	1
(घ)	कविता में कवि किसे न्याय दिलाना चाहता है? (अ) सर्वहारा और शोषित वर्ग को (ब) धनी तथा निर्धन वर्ग को (स) अल्पसंख्यक वर्ग को (द) बादलों को	1

(ड)	कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए -	1								
	<table border="1" data-bbox="225 152 1348 380"> <tr> <th>कॉलम 1</th><th>कॉलम 2</th></tr> <tr> <td>I. रुद्ध</td><td>1 कमजोर</td></tr> <tr> <td>II. क्षुब्ध</td><td>2 खिन्न</td></tr> <tr> <td>III. जीर्ण</td><td>3 एकत्रित/रुका हुआ</td></tr> </table> <p>विकल्प :</p> <p>(अ) I (1) II (2) III (3) (ब) I (1) II (3) III (2)</p> <p>(स) I (3) II (1) III (2) (द) I (3) II (2) III (1)</p>	कॉलम 1	कॉलम 2	I. रुद्ध	1 कमजोर	II. क्षुब्ध	2 खिन्न	III. जीर्ण	3 एकत्रित/रुका हुआ	
कॉलम 1	कॉलम 2									
I. रुद्ध	1 कमजोर									
II. क्षुब्ध	2 खिन्न									
III. जीर्ण	3 एकत्रित/रुका हुआ									
7.	निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-	2x3 =6								
(क)	आत्मपरिचय' कविता में कवि ने अपने जीवन में किन परस्पर विरोधी बातों का सामंजस्य बिठाने की बात की है?	3								
(ख)	रूबाइयों में चित्रित घरेलू जीवन के बिम्ब लिखिए।	3								
(ग)	तुलसी को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ थी - कवितावली से उद्धृत छंदों के आधार पर लिखिए।	3								
8.	निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर लिखिए :-	2x2 =4								
(क)	शारीरिक चुनौती को झेलते व्यक्ति से कैमरे पर बेतुके सवाल पूछना मीडिया कर्मियों की किस कमी को दर्शाता है? 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।	2								
(ख)	“पतंग” कविता में बच्चों द्वारा ‘दिशाओं को मृदंग की तरह बजाने’ से कवि का क्या आशय है?	2								
(ग)	‘छोटा मेरा खेत’ कविता में कवि ने कागज के पत्ते को खेत की तरह क्यों कहा है? समझाइए।	2								
9	निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :-	5x1 =5								
	<p>बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जब भरी हो और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है, तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं उस वक्त जब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि ऐसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है। वह यह कि बाजार जाओ तो मन खाली न हो। मन खाली हो, तब बाजार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो, तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाजार भी फैला-का-फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिलकुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनन्द ही देगा। तब बाजार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ-न-कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाजार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना।</p>									

(क)	गद्यांश के अनुसार "बाजार का जादू" किस प्रकार कार्य करता है? (अ) कानों के सहारे (ब) आँखों के सहारे (स) हाथों के सहारे (द) पैसों के सहारे	1
(ख)	जब मन खाली हो और जेब भरी हो, तब— (अ) जादू का असर नहीं होता (ब) जादू और भी बलवान हो जाता है (स) बाजार आकर्षक नहीं लगता (द) जेब खाली हो जाती है	1
(ग)	गद्यांश के अनुसार बाजार के जादू से बचने का सबसे अच्छा उपाय क्या है? (अ) जेब खाली कर लेना (ब) मन को लक्ष्य से भर लेना (स) बाजार से दूर रहना (द) केवल सस्ता सामान खरीदना	1
(घ)	गद्यांश में "पानी पीकर जाना" का आशय क्या है? (अ) लोटे में पानी भरना (ब) पानी न पीकर जाना (स) आवश्यक वस्तुओं से मन को भरकर बाजार जाना (द) पानी की बचत करना	1
(ङ)	निम्नलिखित कथनों में से कौन-से गद्यांश के अनुसार सही हैं? 1. बाजार का जादू केवल भौतिक वस्तुओं के कारण काम करता है। 2. अगर मन लक्ष्य में भरा हो, तो बाजार का जादू किसी तरह का नुकसान नहीं पहुँचाता। 3. बाजार में बहुतायत चीज़ें हमेशा उपयोगी और आरामदायक होती हैं। 4. बाजार का वास्तविक लाभ तब होता है जब वह आवश्यकता के समय काम आए। विकल्प: (अ) केवल 2 और 4 (ब) केवल 1 और 3 (स) केवल 1 और 4 (द) 2, 3 और 4	1
10.	निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x3 =6
(क)	भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था और उसने लेखिका को उसका वास्तविक नाम उपयोग न करने को क्यों कहा?	3
(ख)	लुट्टन के जीवन के परिवर्तनों को लिखिए।	3
(ग)	'काले मेघा पानी दे' पाठ में पानी की बर्बादी होने और न होने संबंधी दोनों तर्कों पर टिप्पणी कीजिए	3
11.	निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 40 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x2 =4
(क)	'पहलवान की ढोलक' पाठ का एक संदेश यह भी है कि लोक कलाओं को संरक्षण दिया जाना चाहिए। अपने विचार लिखिए।	2
(ख)	शिरीष को 'अवधूत' क्यों कहा गया है?	2
(ग)	डॉ. आंबेडकर के अनुसार मतानुसार 'दासता' की व्याख्या कीजिए	2

12.	निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के लगभग 60 शब्दों में उत्तर दीजिए :-	2x5 =10
(क)	‘सिल्वर वैडिंग कहानी पीढ़ी अंतराल के साथ-साथ मानवीय मूल्यों के ह्रास को प्रकट करती है।’ कथन को स्पष्ट कीजिए	5
(ख)	आपके विचार से पढ़ाई-लिखाई के संबंध में लेखक व दत्ता जी राव का रवैया सही है या लेखक के पिता का ? तर्क सहित उत्तर दीजिए	5
(ग)	पुरातत्व के किन चिह्नों के आधार पर आप यह कह सकते हैं कि-“सिंधु सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।”	5
